बीएसईएस ने बनाया दिल्ली का पहला डबल डेकर सब–स्टेशन और ई–हब कॉम्पैक्ट ग्रिड

घनी आबादी वाले व अनाधिकृत कॉलोनियों में भी होगा मजबूत बिजली नेटवर्क

नई दिल्लीः 17 मई, 2017। नेटवर्क विस्तार के लिए जगह की भारी कमी की समस्या से निपटने के लिए बीएसईएस ने एक अनोखा और इनोवेटिव तरीका ढूंढा है। बीआरपीएल ने साउथ दिल्ली के संगम विहार इलाके में एक डबल डेकर सब–स्टेशन बनाया है, जबकि बीवाईपीएल ने ईस्ट दिल्ली के कृष्णा नगर में एक ई–हब कॉम्पैक्ट ग्रिड का निर्माण किया है। इससे, नेटवर्क विस्तार में आ रही बाधाओं से निपटने में कुछ मदद मिलेगी। बीएसईएस का कहना है कि इन दोनों तकनीकों के इस्तेमाल से, पहले के मुकाबले 40 से 50 प्रतिशत कम जगह में ही पूरी क्षमता के सब–स्टेशन व ग्रिड लगाए जा सकेंगे तथा घनी आबादी वाले क्षेत्रों में भी बेहतर बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जा सकेगी।

गैरयोजनाबद्ध तरीके से बसी अनाधिकृत कॉलोनियों में उपभोक्ताओं को बेहतर बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने में बिजली कंपनियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। क्योंकि, आबादी और मल्टी स्टोरी बिल्डिंग्स की संख्या में बढ़ोतरी के हिसाब से बिजली नेटवर्क का विस्तार करने में दिक्कतें आ रही हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि इन कॉलोनियों में बिजली के इंफ्रास्ट्रक्चर और उसके विस्तार के लिए जगह ही नहीं छोड़ी गई है। इन्हीं परेशानियों से निपटने के लिए बीएसईएस ने अब डबल डेकर सब–स्टेशन और ई–हब कॉम्पैक्ट ग्रिड बनाने की पहल शुरू की है।

डबल डेकर सब–स्टेशनः

बीआरपीएल ने दिल्ली का पहला डबल डेकर सब–स्टेशन संगम विहार में बनाया है। संगम विहार दक्षिणी दिल्ली में स्थित काफी घनी आबादी वाला क्षेत्र है। इस डबल डेकर सब–स्टेशन की क्षमता 630 केवीए है, जिससे इलाके में और बेहतर बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। इसी क्षमता का एक पारंपरिक सब–स्टेशन लगाने के लिए 20 वर्ग मीटर जगह की जरूरत होती है, जबकि डेबल डेकर तकनीक से यह सब–स्टेशन सिर्फ 6.25 वर्ग मीटर क्षेत्र में बनकर तैयार हो गया। यह एक पायलट प्रोजेक्ट है, जिसके बाद, आने वाले कुछ महीनों के दौरान 50 और डबल डेकर सब स्टेशन बनाए जाएंगे।

ई–हब कॉम्पैक्ट ग्रिड

बीवाईपीएल ने पूर्वी दिल्ली के कृष्णा नगर में एक ई–हब कॉम्पैक्ट पैकेज्ड ग्रिड बनाया है। कृष्णा नगर भी एक घनी आबादी वाला क्षेत्र है, जहां बिजली के नेटवर्क विस्तार के लिए जगह की कमी है। इस कॉम्पैक्ट ग्रिड की क्षमता 36 एमवीए है, जिससे इलाके के उपभोक्ताओं को और बेहतर बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।

इस कॉम्पैक्ट ग्रिड में अत्याधुनिक जर्मन तकनीक का इस्तेमाल किया गया है और इसे जर्मनी की कंपनी सीमेन्स के सहयोग से तैयार किया गया है। इतनी ही क्षमता के परंपरागत ग्रिडों के मुकाबले इस कॉम्पैक्ट ग्रिड में 40 प्रतिशत कम जगह का इस्तेमाल हुआ है।

यही नहीं, पहले के ग्रिडों के मुकाबले एक–तिहाई कम समय में ही यह कॉम्पैक्ट ग्रिड बनकर तैयार हो गया। एक ग्रिड को बनाने में आमतौर पर 18 महीने का वक्त लगता है, लेकिन कृष्णा नगर का यह कॉम्पैक्ट ग्रिड 6 से 8 महीने के वक्त में ही तैयार कर लिया गया है। इस कॉम्पैक्ट ग्रिड की एक खासियत यह भी है कि पैनलों के लगाने के लिए अलग स्थान/ भवन की जरूरत नहीं होती, बल्कि उन्हें बाकी के कंपार्टमेंट के साथ ही फिट कर दिया जाता है।

बीएसईएस प्रवक्ता के मुताबिक, शुरूआत से ही बीएसईएस डिस्कॉम्स नई, इनोवेटिव तथा बेस्ट इन क्लास तकनीकों के उपयोग में अग्रणी रही हैं, ताकि उपभोक्ताओं को विश्वसनीय व गुणवत्तायुक्त बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। इसी कड़ी डबल डेकर सब–स्टेशन और कॉम्पैक्ट ग्रिड का निर्माण शामिल है।

प्रमुख बिजली वितरण कंपनियां बीआरपीएल और बीवाईपीएल, रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के बीच संयुक्त उद्यम हैं।